

क्रमांक 1635

5 जून, 2017

## प्रेस विज्ञप्ति

### विश्व पर्यावरण दिवस पर राजुवास में गोष्ठी व वृक्षारोपण पारंपरिक जीवन शैली और प्रकृति के न्यायसंगत दोहन से ही पर्यावरण संरक्षण संभव: कुलपति प्रो. गहलोत



बीकानेर, 5 जून। विश्व पर्यावरण दिवस पर वेटेरनरी विश्वविद्यालय और अपना संस्थान, जयपुर के तत्वावधान में वेटेरनरी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ए.के. गहलोत की अध्यक्षता में सोमवार को कुलपति सचिवालय के सभागार में पर्यावरण गोष्ठी का आयोजन करके परिसर में वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. गहलोत ने कहा कि

संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा इस बार घोषित विश्व पर्यावरण दिवस प्रकृति से लोगों को जोड़ने की थीम पर मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति और जनमानस में पर्यावरण के प्रति प्रेम और संरक्षण का भाव पीढ़ी दर पीढ़ी चला आ रहा है। राजुवास ने युवा पीढ़ी को जागरूक करने के लिए इस दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन किया है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के परिसर को एक उपवन में विकसित किया गया है जिसके परिणाम स्वरूप सुरम्य वातावरण में पलने वाले पशु-पक्षी अत्यधिक घनत्व में मौजूद हैं। इससे स्थानीय नगरिकों को भी पर्यावरण संरक्षण की निरंतर प्रेरणा मिल रही है। राजुवास परिसर में विकसित वर्षा जल संरक्षण उपाय से एक करोड़ लीटर वर्षा जल प्रतिवर्ष एकत्रित किए जाने के साथ ही 100 के.वी. का सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापना पर्यावरण संरक्षण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता के उदाहरण हैं। विश्वविद्यालय में वन्यजीव प्रबंधन एवं स्वास्थ्य अध्ययन केन्द्र, वल्लभनगर (उदयपुर) महाविद्यालय में गोबर से बायो गैस संयंत्र और जैविक खाद उत्पादन के कार्यक्रम पूरी शिद्दत के साथ लागू करके पर्यावरण संरक्षण कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है। गोष्ठी में वैज्ञानिकों, समाजसेवियों और पर्यावरणविदों द्वारा पॉलिथिन के प्रसार को पर्यावरण के लिए हानिकारक बताते हुए प्राकृतिक संसाधनों का न्यायसंगत दोहन और पारंपरिक ज्ञान और विधियों की भारतीय परंपराओं के उपयोग को बढ़ावा दिए जाने की बात कही गई। अमृतादेवी पर्यावरण नागरिक संस्थान के तहत अपना संस्थान के विभाग संयोजक डॉ. बी.एल. पारीक ने कहा कि प्रकृति के पंचभूत की संरक्षा पर्यावरण संरक्षण के लिए महत्ती जरूरत है। संस्थागत और जन सहयोग से संस्थान ने गत वर्ष 3.40 लाख पौधे रोपित किए जिसमें से 70 फीसदी तक कामयाब रहे। समाजसेवी डॉ. डी.सी. जैन ने कहा कि राजुवास ने अपने क्रियाकलापों से पर्यावरण संरक्षण के लिए उल्लेखनीय कार्य किए हैं जो पूरे देश में और हम सबके लिए एक नजीर है। प्रकृति और



# जन सम्पर्क प्रकोष्ठ



राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीका

Phone: 0151-2543419 (O) 2549348 (Fax) E-mail: prcrajuvas@gmail.co

प्रगति में संतुलन रखकर ही पर्यावरण को बचाया जा सकता है। भाजपा नेता श्री ओमप्रकाश सोनगरा ने कहा कि प्रत्येक वृक्ष एक चिकित्सक की भांति है जो जीवन पर्यन्त हमें स्वस्थ रखकर कुछ न कुछ देता ही है। भारतीय संस्कृति में वृक्ष की महिमा अपरंपार है। वेटरनरी महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. जी.एस. मनोहर, वित्त नियंत्रक श्री अरविन्द बिश्नोई, अनुसंधान निदेशक प्रो. राकेश राव और लेखक रमेश कुमार शर्मा ने कहा कि प्रकृति का अत्यधिक शोषण विध्वंश है अतः हमें इस ओर जागरूक रहना होगा। हेम शर्मा ने मरुस्थलीय पर्यावरण के अनुकूल जीव-जंतु और वनस्पति के संरक्षण, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. आर.डी. मुद्गल और डॉ. उपेन्द्र वल्लभ पंत ने सघन वृक्षारोपण की उपयोगिता पर विचार व्यक्त किए। संगोष्ठी में वेटरनरी विश्वविद्यालय के फैकल्टी सदस्य डॉ. प्रवीण बिश्नोई, डॉ. एस.के. झीरवाल, डॉ. राजेश नेहरा और प्रो. आर.के. तंवर ने भी अपने विचार व्यक्त किए। संगोष्ठी के पश्चात् अतिथियों, विश्वविद्यालय के फैकल्टी सदस्यों, समाजसेवियों, पर्यावरणविदों और अधिकारियों ने वृक्षारोपण किया।

समन्वयक  
जनसम्पर्क प्रकोष्ठ